परास्नातक कार्यक्रम

सत्रीय कार्य

(जुलाई, 2022 तथा जनवरी, 2023 सत्रों के लिए)

MSK-002 व्याकरण

मानविकी विद्यापीठ

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110068

परास्नातक कार्यक्रम

सत्रीय कार्य (2022–23)

पाठ्यक्रम कोड : MSK–002/2022–23

प्रिय छात्र/छात्राओं

यह सत्रीय कार्य शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य (TMA) है। सत्रीय कार्य के लिए 100 अंक निर्धारित किए हैं। सत्रीय कार्य में पूरे पाठ्यक्रम से प्रश्न पूछे जाएँगे।

उद्देश्य : शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य का उद्देश्य यह जाँचना है कि आपने पाठ्य सामग्री को कितना समझा है और आप उसे अपने शब्दों में कैसे प्रस्तुत कर सकते हैं। यहाँ पाठ्य सामग्री की पुनर्प्रस्तुति से तात्पर्य नहीं है वरन् अध्ययन के दौरान जो कुछ सीखा और समझा है उसे आप आलोचनात्मक ढंग से प्रस्तुत कर सकें।

निर्देश :– सत्रीय कार्य आरम्भ करने से पूर्व निम्नलिखित बातों को ध्यान से पढ़िए :

1) अपनी उत्तर पुस्तिकाओं के पहले पृष्ठ के दायें सिरे पर अनुक्रमांक, नाम, पूरा पता और दिनांक लिखिए।

2) बाईं ओर पाठ्यक्रम का शीर्षक, सत्रीय कार्य संख्या और अपने अध्ययन केन्द्र का उल्लेख करें जैसा आगे दिखाया गया है :

अनुक्रमांक : ——————————

नाम : ——————————

पता : ——————————

पाठ्यक्रम का नाम/कोड : ——————————

सत्रीय कार्य कोड : ——————————

अध्ययन केन्द्र का नाम/कोड : ——————————

दिनांक : ——————————

सत्रीय कार्य के लिए आवश्यक निर्देश

1. अध्ययन : सबसे पहले सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। फिर इससे संबंधित इकाइयों का सावधानीपूर्वक अध्ययन कीजिए। अंत में प्रत्येक प्रश्न के संबंध में कुछ खास बातें नोट कर लीजिए और उन्हें तार्किक ढ़ग से व्यवस्थित कीजिए।
2. अभ्यास : उत्तर का प्रारूप तैयार करने से पूर्व नोट की गई बातों पर विचार कीजिए। अनावश्यक बातों को हटा दीजिए, और प्रत्येक बिंदु पर विस्तार से विचार कीजिए। निबंधात्मक या टिप्पणीपरक प्रश्नों में आरंभ और उपसंहार पर विशेष ध्यान दीजिए। उत्तर के आरंभिक अंश में प्रश्न की संक्षिप्त व्याख्या और अपने उत्तर की दिशा का संकेत अवश्य दे देना चाहिए। मध्य भाग में आप उत्तर का मुख्य भाग आवश्यक विस्तार के साथ क्रमबद्धता और तार्किक ढंग से प्रस्तुत करें। उपसंहार में उत्तर का सार देना चाहिए।

यह सुनिश्चित कर लीजिए कि :

क) आपका उत्तर तार्किक और सुसंगत हो,

ख) उत्तर सही ढंग से लिखा गया हो तथा आपकी अभिव्यक्ति शैली और प्रस्तुति के पूर्णतया अनुकूल हो,

ग) आपके लेखन में भाषागत त्रुटियाँ न हों, विशेष रूप से मात्रा और व्याकरण संबंधी गलतियों से बचें।

3. **प्रस्तुति** : जब आप अपने उत्तर से पूर्णतया संतुष्ट हो जाएँ, तो उसे साफ और सुंदर अक्षरों में उत्तर पुस्तिका में लिख लीजिए तथा जिन बातों पर आप जोर देना चाहते हैं, उन्हें रेखांकित कर दीजि,।

शुभकामनाओं के साथ।

नोट : याद रखें कि परीक्षा में बैठने से पूर्व सत्रीय कार्य जमा कराना अनिवार्य है, अन्यथा आपको परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

सत्रीय कार्य जमा कराने की तिथियाँ :

जुलाई 2022 सत्र के लिए : 31 मार्च, 2023

जनवरी 2023 सत्र के लिए : 30 सितंबर, 2023

सत्रीय कार्य

MSK–002: व्याकरण

पाठ्यक्रम कोड –MSK: 002
पाठयक्रम शीर्षक : व्याकरण
सत्रीय कार्य : MSK – 002/2022–2023
कुल अंक – 100

1. 'रामाणाम' पद की सत्रोल्लेखपर्वक सिद्धि–प्रक्रिया स्पष्ट कीजिए। 10

अथवा

'प्रथमयोः पर्व सवर्णः' सत्र की उदाहरण सहित व्याख्या और 'हरिणा' पद की सम्बद्ध सत्रोल्लेखपर्वक सिद्धि–प्रक्रिया स्पष्ट कीजिए।

2. 'रमा' शब्द के सभी विभक्तियों में रूप लिखिए और 'मति' शब्द के समान रूप चलने वाले किन्हीं पाँच ह्स्व इकारान्त, स्त्रीलिंग शब्दों का उल्लेख कीजिए। 10

अथवा

'ज्ञान' शब्द के सभी विभक्तियों में रूप लिखिए और 'साध' शब्द के समान रूप चलने वाले किन्हीं पाँच ह्स्व उकारान्त पुलिंग शब्दों का उल्लेख कीजिए।

3. 'कर्तरीप्सिततमं कर्म' सत्र की सोदाहरण व्याख्या प्रस्तुत कीजिए। 10

अथवा

'सप्तम्यधिकरणे च' के पदच्छेद ओर विभक्तियों का उल्लेख करते हुए उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए।

4. 'व्रजम अवरुणद्धि गाम' यहाँ रेखांकित पद में प्रयुक्त विभक्ति के विधायक सत्र का उल्लेख करते हुए उक्त उदाहरण वाक्य को स्पष्ट कीजिए। 10

अथवा

'हरये रोचते भक्ति' इस प्रयोग की सत्रोल्लेखपर्वक सिद्धि करते हुए कारक स्प्ष्ट कीजिए।

5. (क) 'भवानि' अथवा 'भविता' की सिद्धि–प्रक्रिया को सम्बद्ध सत्रोल्लेखपर्वक स्पष्ट कीजिए। 5

(ख) 'परोक्षे लिट' अथवा 'तिङशितसार्वधातकम' सत्र के अर्थ को स्पष्ट कीजिए। 5

6. (क) 'लोट च' अथवा 'सार्वधातकार्धधातकयोः' सत्र की सोदाहरण व्याख्या कीजिए। 5

(ख) 'अभत' अथवा 'भविष्यति' की सिद्धि–प्रक्रिया को सम्बद्ध सत्रों का उल्लेख करते हुए स्पष्ट कीजिए। 5

7. (क) 'लिटस्तझयोरेशिरेच' अथवा 'आर्तोऽतः' सत्र की व्याख्या कीजिए। 5

(ख) 'एधते' अथवा 'एधांचक्रे' की सिद्धि–प्रक्रिया को सम्बद्ध सत्रों का उल्लेख करते हुए स्पष्ट कीजिए। 5

8. (क) 'तत्प्रयोजको हेतश्च' अथवा 'धातोः कर्मणः समान कर्तकादिच्छायां वा' की उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए। 5

(ख) 'भावयति' अथवा 'पिपठिषति' की सिद्धि–प्रक्रिया को स्पष्ट कीजिए। 5

9. 'शत' और 'शानच' प्रत्ययों पर उदाहरण के साथ विस्तृत टिप्पणी लिखिए। 10

10. 'मतप' प्रत्यय के अर्थ में आने वाले किन्हीं तीन प्रत्ययों को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए। 10